

14¹²/₂₃

पत्रावली पेश हुई। वकील जार्जी एवं
विपक्षी उपर। प्रकरण में वकील उभयपक्ष
उपर। मजिद वरध जुनी गर। पत्रावली
वाले निर्णय हेतु दिनांक 26-12-23 को पेश
ही।

26¹³/₂₃

पत्रावली आज पेश हुई। अन्य कार्य
में व्यापार के कारण निर्णय गरी (उगाया
एवं समझाया गया) पत्रावली वाले निर्णय
हेतु दिनांक 10/11/24 को पेश हो।

18¹/₂₄

पत्रावली आज पेश हुई। वकील उभयपक्ष
उपस्थित/अनुपस्थित। एस.डी.ओ.सा. दौरे
/अन्य कार्य में व्यस्त है। अतः पत्रावली हुकम
साविका दिनांक 12²/₂₄ को पेश है

आज्ञा से

12²/₂₄

पत्रावली आज पेश हुई। वकील उभयपक्ष
उपस्थित/अनुपस्थित। एस.डी.ओ.सा. दौरे
/अन्य कार्य में व्यस्त है। अतः पत्रावली हुकम
साविका दिनांक 29⁴/₂₄ को पेश है

आज्ञा से

29⁴/₂₄

पत्रावली आज पेश हुई। वकील उभयपक्ष
उपस्थित/अनुपस्थित। एस.डी.ओ.सा. दौरे
/अन्य कार्य में व्यस्त है। अतः पत्रावली हुकम
साविका दिनांक 22⁰⁵/₂₄ को पेश है

आज्ञा से

22⁵/₂₄

पत्रावली पेश हुई। वकील उभयपक्ष
उपस्थित। मूल जार्जिन पत्र प वरध
जुनी गर। कार्यवाही किया जाता है नि



आराजी न 2001 रकबा 0.0700 है 0
 तथा आराजी न 2002 रकबा 0.2500 है 0
 तथा आराजी न 2003 रकबा 0.1800 है 0
 की आराजिपात के पूर्वी तर्फ के
 2133 वर्ग मीटर का छोटा
 क्षेत्र आराजिपात के रकबे के बावत
 विपक्षिणी के विरुद्ध आर्या निर्वाह
 के पानव सिपा जवा है कि यह
 विवादात्त आराजिपात में धर्ष के
 फल में जबरन दखल आराजी
 नहीं करते तथा इन्ही आराजिपात के
 2133 वर्ग मीटर रकबे पर भी कोई
 निर्माणा आदि नहीं करते। पत्रावली
 कंपनी शुरुआत होकर बन्द हो गई
 है। मूल पत्रावली क्रमा 177/13
 वाद के लिये प्रमाण है

उपखण्ड अधिकारी
 निम्बादेड़ा